**मेरे जीवन का तुम केंद्र बिंदु**

प्रभु, मेरे जीवन का तुम केन्द्र बिंदु हो

तुम इसका आरंभ और अंत तुम हो

आज मैं जो हूँ और कल मैं होऊँगा

नव जीवन दान मैं तुमने दिया

मेरी सारी बुद्धि, सारा बल भी तुम हो

हर षण मेरा सहारा तुम हो

मैं टूटा था, तुमने फिर से जोड़ दिया

प्रभु, मेरे जीवन का तुम केंद्र बिंदु हो

(पहली आयत से दोहरायें)

तुमने मेरे जीवन को अर्थ दे दिया

मेरे मार्ग, सब कामों का उद्देश्य तुम हो

मैं खाली था, तुमने तृप्त कर दिया

प्रभु, मेरे जीवन का तुम केंद्र बिंदु हो

---

अनुवाद: डेज़ी ऑगस्टीन

लॉस आंजल्स, कॅलिफॉर्निया